पहला अनुभव

दोस्तों ये बात तब की है जब मैं कालेज मे था। उम्र इक्कीस वर्ष थी।
पूना के एक कालेज मे पढता था । माफी चाहता हूँ दोस्तो मैने अपना नाम तो बताया ही नही। मेरा नाम रमन है।
हॉ तो दोस्तों यह एक सच्ची घटना है। इसे झूठ मत समझियेगा। मै पूना की एक कालोनी मे अपने मॉ बाप के साथ रहता था। मेरी दोस्ती एक लडकी से हो गयी और जैसा हमेशा होता है अपने पहले प्यार को लोग अपना सब कुछ मान लेते हैं और अपने प्यार के लिये अपना सब कुछ लुटाने को तैयार रहते हैं। मैं भी कुछ ऐसी ही भावना मे था ।दिन रात उसी के सपने देखता था ।वह बहुत ज्यादा सुन्दर तो नही थी फिर भी वह अच्छी दिखती थी। वह हमेशा टाईट कपडे पहना करती थी जिसमे बहुत ही सेक्सी दिखती थी। कालोनी के बहुत सारे लडके उसे देखकर आहें भरा करते थे और उससे दोस्ती के लिये लालायित रहते थ। मैं उन सब मे ज्यादा भग्यशाली था। हमारा प्यार बाग बगीचो ,सिनेमाघरों लोगो से छुपते छुपाते चलता रहा।एक दिन उसने मुझे फोन पर बताया उसके मम्मी पापा किसी शादी के लिये मद्रास जा रहे थे और वे वहॉ एक हफ्ते के लिये रहने वाले थे। हम लोगो को अब बिना किसी परेशानी के घूमने फिरने का मौका मिल गया। उसके मम्मी पापा बाहर चले गये। हम लोगो का प्लान पहले से फिक्स था। हम दोनो दूसरे दिन एक पिक्चर देखने गये। पिक्चर मे कुछ सेक्सी सीन थे। मै बहुत ही मस्त मुड मे था। बार बार वह सीन ऑखो के सामने आ जाता था। पिक्चर के बाद हम दोनो उसके घर पर वापस आ गये।
घर पर कोई भी नही था जैसा कि हमे पहले से मालुम था। रोशनी मेरी गर्ल फ्रेन्ड थोडा थकी हुयी थी। उसने मुझसे कहा प्लीज तुम थोडी देर बैठो, मै नहा कर आती हूँ । मैं बैठ कर टी वी देखने लगा। मैने स्टार
मूवी ऑन किया। उस पर बहुत अच्छी मूवी चल रही थी। बहुत ही गरमा गरम द्रश्य चल रहा था। दो युवा जोडे बिल्कुल निर्वस्त्र एक दूसरे मे खोये हुये थे और मुझे इस बात की खबर भी नही हुयी कि रोशनी मेरे पीछे आकर खडी थी। वह सिर्फ एक टॉवेल मे लिपटी थी। काले काले बाल जो कि भीगे हुये थे उसके बदन पर चिपक हुये थे। टॉवेल पूरी तरह से उसके बदन को ढकने मे असमर्थ था और उसका अधखुला जिस्म मुझे मदहोश किये जा रहाथा।अभी अभी टीवी पर चल रहे सीन मेरी ऑखो के सामने घूमने लगे।

मै अपने आप को रोक नही पाया आगे बढा और उसके हाथो को अपने हाथो मे ले कर चूम लिया । मैने उसे बाँहो मे भर लिया उसके बदन से किसी खुश्बूदार साबुन की खुश्बू आ रही थी। उसके होठो पर मैने अपने होठ रख दिये उसके होठ सुर्ख लाल थे। साँसे गरम थी। उसके हाथ मेरी पीठ पर जकडे हुये थे। वह अपने पंजो के बल उठकर मुझमे समा जाने के लिये बेकरार थी। मेरे हाथ उसकी पीठ पर. मेरे होठ उसके होठो को पूरी बेदर्दी से मसल रहे थे । मै धीरे धीरे उसके टॉवेल को निकालने का प्रयास कर रहा था। मैने उसको सोफे पर बिठाया और किस्स करने लगा। मेरी जीभ उसके मुँह मे अन्दर तक समा रही थी मेरे हाथ टॉवेल के ऊपर से उसके बदन को मसल रहे थे। मैने उसके टॉवेल को खोल दिया।

अचानक एकदम होश उडा देने वाला दृश्य था। कुदरत ने उसे गजब का दृश्य दिया था। उसकी दो बडी बडी सन्तरे जैसी चूचियाँ जो कि उत्तेजना मे काफी बडे हो गये थे और उसके निपपल बाहर को निकले हुये मुझे आमन्त्रित कर रहे थे। मैने अपने दोनो हाथो से उन्हें सहलाना शुरू कर दिया। उसने अपना टॉवेल अपने बदन से दूर हटाया। इसी बीच मेरा हाथ उसके दोनो जाँघों के बीच तक पहुँच गया। जब मेरा हाथ उसके जाँघों के बीच पहुँचा उसके मुँह से एक सिसकारी निकल गयी। तभी मैने महसूस किया उसका हाथ मेरी पैंट की जिप को खोल रहा था। उसने अपना हाथ मेरी

पैंट मे डाला और मेरे शरीर के सबसे उत्तेजित भाग को पकड लिया। मेरा शिश्न अत्यधिक गरम हो चुका था। उसकी गरमी मुझसे अब बरदाश्त नहीं हो रही थी। मैने उसके एक निप्पल को अपने मुँह मे ले लिया और दूसरे को अपनी अगुलियों से सहलाने लगा। उसका हाथ मेरे शरीर के अंग से बुरी तरह खेल रहे थे। मुझे अब दर्द सा महसूस होने लगा था।

मैंने उसे अपनी बाँहों मे उठाया और बगल में पडे बेड पर लिटाया।

मैं उसके पैरो के बीच पहुँच कर उसकी जाँघों को फैलाया और एक झटके के साथ मैं उसके अन्दर समा गया। उसने मुझे कसकर पकड लिया फिर मैने धीरे धीरे अपने शिश्न को अन्दर बाहर करना शुरू कर दिया। धीरे धीरे मैने अपनी स्पीड बढा दी। उसने अपने पैरों को हवा मे फैला दिया वह मुझे अपने अन्दर समा लेना चाहती थी। मैनें अपनी स्पीड बढा दिया। पूरी स्पीड के साथ मै अन्दर बाहर होने लगा। थोडी देर मे उसके अन्दर ढेर सारा गीलापन महसूस किया। उसने मुझे कसकर पकड लिया। पूरे कमरे में हमारे अंगो के टकराने और सिसकारियों की आवाजें गूंज रही थी। मैं पूरी स्पीड के साथ

धक्के मार रहा था और थोडी देर में मेरे अन्दर के तूफान का उबाल उसके अंगो मे समा गया। मैं उसके ऊपर ही निढाल हो गया। हम दोनो पसीने से भीगे हुये थे और बुरी तरह से हॉफ रहे थे। थोडी देर तक हम दोनो एक दूसरे की बॉहों में पडे एक दूसरे को चूमते रहे। फिर हम दोनो बाथरूम में नहाने के लिये गये इसी दौरान हम एक बार फिर मूड में थे।